दिल बड़ा होने से क्या होता है। हमारे पास परिवार का भरण पोशण और शिक्षा के लिए पर्याप्त आर्थिक साधन नहीं हैं। हम इस बालक को कैसे शिक्षित करेंगे? नाना दो वर्श के ही हुए थे।
बालक का नाम चंडिकादास अमृतराव होगा। प्यार से इसे नाना बुलायेंगे। हमारी मान, प्रतिश्ठा और प्रभाव को बढ़ाएगा, कुल का नाम रोशन करेगा। इसे देखकर लगता है कि वह एक आदर्श जीवन स्थापित करेगा। हमारी तरह ही दूसरों की सहायता करने वाला विशाल हृदय रखेगा।